3. संज्ञा

नाम द्वारा ही किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या प्राणी को पहचाना जाता है। हम अपने आसपास जो भी चीज़ें देखते हैं, उन सभी का एक नाम होता है। वस्तु चाहे सजीव हो अथवा निर्जीव अपना एक नाम रखती है। हिंदी भाषा में यह नाम ही संज्ञा कहलाता है।

- बच्चे पिछली कक्षा में नाम वाले शब्द पढ़ चुके हैं। उन्हें बताएँ, नाम वाले शब्द को ही संज्ञा कहते हैं।
- शिक्षक/शिक्षिका बच्चों से उनके बस्ते में रखी चीज़ों के नाम पूछें अथवा कक्षा में रखी हुए चीज़ों के नाम पूछते हुए बताएँ कि ये सभी संज्ञा शब्द हैं।
- कक्षा के पंखे, ब्लैकबोर्ड, चॉक, किताब आदि को दिखाते हुए संज्ञा शब्दों की पहचान करवाएँ।
- समझाएँ, नाम भी अलग-अलग तरह के होते हैं, जैसे-व्यक्तियों के नाम, वस्तुओं के नाम, स्थान के नाम, त्योहारों के नाम, खेलों के नाम आदि के बारे में बताते हुए संज्ञा समझाएँ।
- पाठ में दिए चित्रों को पहचानने को कहें तथा उनके नाम पढ़वाएँ।
- बच्चों से उनके घर तथा आसपास के 10 संज्ञा शब्दों को बताने को कहें। इससे बच्चों की मानसिक जागरूकता और अवलोकन क्षमता का विकास होगा।
- चित्र दिखाते हुए उनके संबंध में कोई विशेष बात भी बच्चों को बताते रहें। जैसे-ताजमहल दुनिया का आठवाँ अजूबा माना जाता है। हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल है आदि। इस प्रकार की बातचीत से बच्चों की रोचकता बनी रहेगी।
- पाठ अभ्यास करवाने में यथासंभव सहायता करें।